Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Project in History

Session: 2021-2022

Name of the Project: Project on Indian Freedom Struggle

Number of Students Enrolled: 29

Name of Co-ordinator : Dr. Suryakant Kapshikar

Purushottam Khaparde Health & Education Society's

Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Accredited B++ by NAAC

■ Recognized by Government of Maharashtra ■ Affiliated to RTM Nagpur University, Nagpur
SNEH NAGAR, WARDHA ROAD, NAGPUR - 440 015. (M.S.) INDIA
■ Tel. : 0712-2290637 ■ Fax No.: 0712- 2290368 ■ Website : www.yashodagirlscollege.edu.in ■ Email : ygc.ngp@rediffmail.com

YGC No./

Date

Brief Report of Activity

Academic Year- 2021-2022

Name of the Project	Project on Indian Freedom Struggle
Academic Year of Project	2021-2022
Organizing Department/ Committee	Department of History
Number of students Completing the course	29 Students
Brief Report	The Project on Indian Freedom Struggle was undertaken by the department of History in which total 29 students participated. The students completed the project work and learnt a lot through the project regarding Indian Freedom Struggle.
Number of Beneficiaries:	Students: 29
Criterion No: I	Metric No: 1.3.2

SEAL

Signature of Course Co-ordinator	Signature and Stamp of IQAC Co-ordinator	Signature & Stamp of Principal
	Co-ordinator, IQAC Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur	PRINCIPAL Yashoda Girls Arts & Commerce College

Purushottam Khaparde Health & Education Society's

Yashoda Girls' Arts & Commerce College, Nagpur

Accredited B++ by NAAC

■ Recognized by Government of Maharashtra ■ Affiliated to RTM Nagpur University, Nagpur
SNEH NAGAR, WARDHA ROAD, NAGPUR - 440 015. (M.S.) INDIA
■ Tel. : 0712-2290637 ■ Fax No.: 0712- 2290368 ■ Website : www.yashodagirlscollege.edu.in ■ Email : ygc.ngp@rediffmail.com

YGC No./ Project in History Date

Tile of the Project: Pr Project on Indian Freedom Struggle

Department of History

Number of students completing the project : 29

Session 2021-2022

Sr. No.	Name of the students enrollment in project
1	AKANSHA BALU HIRE
2	CHHAKULI MAHADEORAO GEDAM
3	DEVIKA SHUBHNATH SHAHU
4	DHANSHREE GAJEBDRA KURZEKAR
5	DIVYA DURYODHAN HATAGARE
6	DIVYA PRADEEPKUMAR TIWARI
7	DURGA DHANRAJ BOTRE
8	DURGA HARISHCHANDRAJI DOIJAD
9	GAYTRI DHANRAJ BOTRE
10	HARSHADA SURESH DAHANE
11	ISHA ARUN TITRE
12	MANISHA SUNIL KAVISHWAR
13	MANISHA VASANT DESHMUKH
14	NAMRATA RAJU SIRSAM
15	PALLAVI SANJAY KAMBLE
16	RANU SAKHARAM MESHRAM
17	RASIKA NAMDEO RUIKAR
18	ROSHNI SHANKAR JAISWAL
19	SADHANA SHALIK WAGH
20	SANGEETA HARIPRASAD SONI
21	SATYSHEELA RAMESH NEWARE
22	SEJAL DEVANAND RADKE
23	SHARDA PRAKASH RATHOD
24	SHUBHANGI ATUL GOMASE
25	SINTHIYA MAHESH NANDGAVE
26	SONALI SURESH LONARKAR
27	SURBHI MOHAN SHENDE
28	TANNU VIJAY FULZELE
29	VAISHNAVI BABAN MEHRE

Signature of Project Co-ordinator

Dr. Suryakant Kapshikar

Signature of the Principal

PRINCIPAL
Yashoda Girls Arts & Commerce Colle
Sneh Nagar, Nagpur-19

Co-ordinator, IQAC
Yashoda Girls' Arts &
Commerce College, Nagpur

Project Copy: project on Indian Freedom Struggle- 2021-2022

यशोदा गर्ल्स'
आर्टस् अँड कॉमर्स कॉलेज
स्नेह नगर, वर्धा रोड, नागपूर.

इतिहास विभाग

आझादी के ७५ वर्ष

प्रकल्प वही
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

दिव्या प्रदिपकुमार तिवारी
बी. ए. भाग - 3

मार्गदर्शक
डॉ सूर्यकांत कापशीकर
इतिहास विभाग प्रमुख

शैक्षणिक वर्ष २०२१-२०२२

SEAL

Page No.
Date

Name : Divya Tiwari

Class : B.A 6 Sem

Subject : History

College : Yashoda Girls Arts and Commerce College Nagpur

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन राष्ट्रीय एवम् क्षेत्रीय आह्वानों, उत्तेजनाओं एवम् प्रयत्नों से प्रेरित, भारतीय राजनैतिक संगठनों द्वारा संचालित अहिंसावादी आन्दोलन था, जिनका एक समान उद्देश्य उद्देश्य, अंग्रेजी शासन से भारतीय उपमहाद्वीप को मुक्त करना था। इस आन्दोलन का आरम्भ 1857 के सिपाही विद्रोह से माना जा सकता है। जिसमें स्वाधीनता के लिए हजारों लोगों की जान गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1929 के लाहोर अधिवेशन में अंग्रेजों से पूर्ण स्वराज की माँग की।

प्लासी की लड़ाई के बाद मीर जाफर के साथ रॉबर्ट क्लाइव प्लासी में बंगाल के नवाब सिराज-उद-दौला के प्रति मीर जाफर के विश्वासघात ने उपमहाद्वीप में ब्रिटिश वर्चस्व के प्रमुख कारकों में से उनकी लड़ाई को महत्वपूर्ण बना दिया

अंतिम युद्ध और टीपू सुल्तान की हार =

हेनरी सिंगलटन द्वारा चित्रण, C. 1800. सुल्तान की हार के बाद मैसूर, अधिकतम दक्षिण अब ब्रिटिश राज के सीधे या रियासत के रूप में राजनैतिक नियंत्रण में था.

सम्प्रभुता और भारत का बँटवारा

3 जून 1947 को, वाइसकाउंट लुइस माउंटबैटन, जो आखिरी ब्रिटिश गवर्नर - जनरल ऑफ इण्डिया थे, ने ब्रिटिश भारत का भारत और पाकिस्तान में विभाजन ~~घोषणा~~ घोषित किया। ब्रिटिश संसद के भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 के त्वरित पारित होने के साथ, 14 अगस्त 1947 को 11:57 बजे, पाकिस्तान एक भिन्न राष्ट्र घोषित हुआ, और मध्यरात्रि

के तुरन्त बाद 15 अगस्त 1947 को 12:02 बजे भारत भी एक सम्प्रभु और लोकतान्त्रिक राष्ट्र बन गया। भारत पर ब्रिटिश शासन के अन्त के कारण, अन्ततः 15 अगस्त 1947 भारत का स्वतन्त्रता दिवस बन गया। उस 15 अगस्त को, दोनों पाकिस्तान और भारत को ब्रिटिश कॉमनवेल्थ में रहने या उससे निकलने का अधिकार था। 1949 में, भारत ने कॉमनवेल्थ में रहने का निर्णय लिया।

आजादी के बाद, हिन्दुओं, ~~सि~~ सिखों और मुसलमानों के बीच हिंसक मुठभेड़ हुई। प्रधान मंत्री नेहरू और उप प्रधान मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने माउंटबैटन को गवर्नर-जनरल ऑफ इण्डिया कायम रहने का न्योता दिया। जून 1948 में, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने उन्हें प्रतिस्थापित किया।

पटेल ने, "मरवमली दस्ताने

में लोह मुट्ठी" की अपनी नीतियों से 565 रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने का उत्तरदायित्व लिया, व उन नीतियों का अनुकरणीय प्रयोग, जूनागढ़ और हैदराबाद राज्य को भारत में एकीकृत करने का उत्तरदायित्व लिया, व उन नीतियों का अनुकरणीय प्रयोग, हेतु सैन्य बल के उपयोग (ऑपरेशन पोलो) में देखने को मिला दूसरी ओर, पण्डित नेहरू जी ने कश्मीर का मुद्दा अपने हाथों में रखा।

संविधान सभा ने संविधान के प्रारूपीकरण का कार्य 26 नवम्बर 1949 को पूरा किया; 26 जनवरी 1950 को भारत गणतन्त्र अधिकारिक रूप से उद्घोषित हुआ। संविधान सभा ने, गवर्नर - जनरल राजगोपालाचारी से कार्यभार लेकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित किया। तत्पश्चात, फ्रान्स ने 1951 में

चन्दननगर और 1954 में पॉण्डिचेरी तथा अपने बाकी भारतीय उपनिवेश सुपुर्द कर दिए। भारत ने 1961 में गोवा और पुर्तगाल के इतर भारतीय एन्क्लेवों पर जनता के द्वारा अनदोलन करने के बाद गोवा पर अधिकार कर लिया। 1975 में सिक्किम ने भारतीय संघ में सम्मिलित होने का ~~निर्णय~~ निर्वाचन किया।

1947 में स्वराज का अनुसरण करके, भारत कॉमनवेल्थ ऑफ नेशन्स में बना रहा, और भारत-संयुक्त राजशाही सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहे हैं। पारस्परिक लाभ हेतु दोनों देश कई क्षेत्रों में मजबूत सम्बन्धों को तलाशते हैं, और दोनों राष्ट्रों के बीच शक्तिशाली सांस्कृतिक और सामाजिक सम्बन्ध भी हैं। यूके में 16 लाख से अधिक संजातीय भारतीय लोगों की जनसंख्या है। 2010 में, तत्कालीन प्रधान मंत्री डेविड कैमरून ने भारत-

SEAL

ब्रिटिश सम्बन्धों को एक 'नया खास रिश्ता " बताया ।

SEAL

Principal
Yashoda Girls Arts & Commerce
College, Sneh Nagar, Nagpur-15